गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

Si न्यूज़

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

सिर्फ सच के साथ...

वर्ष : 03 अंक: 25 | गोरखपुर रविवार 14 दिसम्बर 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

संसद हमले की 24वीं बरसी

पीएम मोदी, राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नयी दिल्ली। संसद हमले की 24वीं बरसी पर देश अपने वीर सपूतों को याद कर रहा है, जिन्होंने बिना अपनी जान की परवाह करते हुए आतंकियों के मंसूबे को नाकाम किया। इस अवसर पर उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और अन्य सांसदों ने 2001 के संसद हमले में जान गंवाने वाले सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बलिदान को याद किया।संसद हमले में कई सुरक्षा कर्मी शहीद हुए थे और देशभर में इस घटना को देश की सुरक्षा और शौर्य की याद के रूप में याद किया जाता है। आज के दिन पीएम मोदी और अन्य वरिष्ठ नेता शहीदों को फूल अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि दीं और उनके बलिदान को याद की। इस अवसर पर सुरक्षा बलों और अधिकारियों की भी उपस्थिति रही, ताकि हमले में शहीद हुए कर्मियों को सम्मानित किया जा सके।13 दिसंबर 2001 की सुबह करीब 11:30 बजे एक सफेद एंबेसडर कार संसद भवन के गेट नंबर 12 से भीतर दाखिल हुई। कार के प्रवेश करते ही सुरक्षा कर्मियों को संदेह हुआ और वे उसके पीछे दौड़ पड़े। इसी दौरान कार उपराष्ट्रपति की खड़ी गाड़ी से टकरा गई। टक्कर होते ही कार सवार आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। आतंकियों के पास एके-47 समेत कई अत्याधुनिक हथियार थे। देखते ही देखते पूरा संसद परिसर गोलियों की गूंज से दहल उठा।अचानक हुए इस हमले से संसद में अफरातफरी मच गई। सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत अलर्ट जारी किया और सीआरपीएफ की बटालियन ने मोर्चा संभाल लिया। उस समय संसद भवन में गृह मंत्री लालकृष्ण आडवाणी समेत कई वरिष्ठ नेता और पत्रकार मौजूद थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सभी को अंदर ही रहने के निर्देश दिए गए और संसद परिसर को पूरी तरह सील कर दिया गया।इस दौरान एक आतंकी गेट नंबर 1 से सदन में घुसने की कोशिश कर रहा था, लेकिन सुरक्षा बलों ने उसे वहीं ढेर कर दिया। इसके बाद चार अन्य आतंकी गेट नंबर 4 की ओर बढ़े, जहां मुठभेड़ में तीन को मार गिराया गया। आखिरी आतंकी गेट नंबर 5 की ओर भागा, लेकिन वह भी कुछ ही मिनटों में सुरक्षा बलों की गोलियों का शिकार हो गया।

तेंदुओं के हमले कम करने के लिए जंगल में बकरियां छोड़ने का सुझाव हास्यास्पद: अजीत पवार

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री

अजित पवार ने राज्य के वन मंत्री के इस बयान को शनिवार को हास्यास्पद बताया कि मानव बस्तियों से तेंदुओं को दूर रखने के लिए जंगलों में बकरियां छोड़ी जानी चाहिए। पवार ने कटाक्ष करते हुए कहा कि फिर तो तेंदुओं के अलावा, ग्रामीण भी इस शिकार का आनंद उठाया करेंगे। पवार ने यहां संवाददाताओं से अनौपचारिक बातचीत के दौरान यह बात कही और बताया कि यह विचार संभवतः वन विभाग का होगा। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, तेंदुओं के बजाय ग्रामीण भी जंगल में छोड़ी गई बकरियों को शिकार करेंगे। महाराष्ट्र के वन मंत्री गणेश नाइक ने सुझाव दिया था कि वन अधिकारी जंगलों में बड़ी संख्या में बकरियां छोड़ें ताकि तेंदुए शिकार की तलाश में मानव बस्तियों में प्रवेश न करें। मंत्री ने कहा था, अगर तेंदुओं के हमलों में चार लोग मारे जाते हैं, तो राज्य को एक करोड़ रुपये मुआवजे के तौर पर देना पड़ता है इसलिए मैंने अधिकारियों से कहा कि मौत के बाद मुआवजा देने के बजाय एक करोड़ रुपये की बकरियां जंगल में छोड़ दी जाएं, ताकि तेंदुओं को मानव बस्तियों में आने की आवश्यकता न पड़े। जब सरकार से तेंदुओं से जुड़े बढ़ते मामलों से निपटने की योजना के बारे में पूछा गया, तो पवार ने कहा कि तेंदुए महाराष्ट्र के कुछ क्षेत्रों में, विशेष रूप से गन्ने की खेती वाले इलाकों में प्रजनन करते और रहते हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने वनतारा चिड़ियाघर से भी जानकारी ली थी, जिसने कहा कि वह केवल 50 तेंदुओं को ही संभाल सकता है। पवार ने कहा, मैंने सुना है कि महाराष्ट्र में लगभग 2,000 तेंदुए हैं। ऐसी स्थिति में हमें अन्य उपायों पर भी विचार करना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार मौजूदा बचाव केंद्र की क्षमता बढ़ाने और इस समस्या से निपटने के लिए नए केंद्र स्थापित करने पर काम कर रही है। राज्य वन विभाग के अनुसार, अहिल्यानगर, पुणे और नासिक जिले तेंदुओं से संबंधित सबसे अधिक मामले सामने आते हैं।

जनगणना के नतीजे विकास के लिए दिशा-निर्देशक साबित होंगे : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जनगणना 2027 के नतीजे

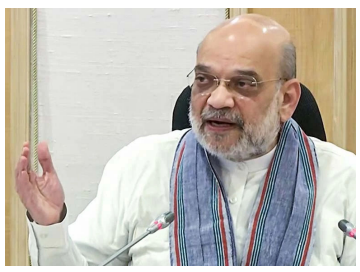

देश के विकास के लिए नए दिशा-निर्देशक की तरह काम करेंगे, क्योंकि ये भारत की नवीनतम जनसंख्या से जुड़े आंकड़ों को अधिक सटीकता के साथ प्रतिबिंबित करेंगे। शाह ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने विश्व की सबसे बड़ी प्रशासनिक और सांख्यिकीय कवायद के लिए 11,718.24 करोड़ रुपये आवंटित करते हुए जनगणना 2027 के बजट को मंजूरी दे दी है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट कर कहा, आंकड़ों में सटीकता मोदी जी के सुशासन और विकास के लाभों को हर वर्ग के नागरिकों तक पहुंचाने के दृष्टिकोण को गति देगी, जिससे सबका साथ, सबका विकास का नारा अमृत काल में नए भारत की एक भव्य वास्तविकता बन जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में जनगणना कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है, जो अपनी तरह की पहली डिजिटल जनगणना होगी।

तिरुवनंतपुरम निकाय चुनाव में बड़ा उलटफेर

एनडीए ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत, बोले पीएम मोदी-यूडीएफ और एलडीएफ से तंग आ चुका है केरल

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन राजग को विजयी बनाने के लिए केरल के लोगों को धन्यवाद दिया है और कार्यकताओं की सराहना करते हुए कहा है कि लोगों को यकीन है कि राज्य की विकास की आकांक्षाओं को राजग ही पूरा कर सकता है। तिरुवनंतपुरम निगम चुनाव में राजग की जीत के बाद पीएम मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया पर सिलसिलेवार पोस्ट में इस जीत को ऐतिहासिक क्षण करार दिया। उन्होंने कहा, पूरे केरल के लोगों का धन्यवाद जिन्होंने राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों में बीजेपी और राजग उम्मीदवारों को वोट दिया। केरल यूडीएफ और एलडीएफ से तंग आ चुका है। वे राजग को एकमात्र विकल्प के रूप में देखते हैं जो सुशासन दे सकता है और सभी के लिए अवसरों के साथ विकसित बना सकता है। धन्यवाद तिरुवनंतपुरम! एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा, तिरुवनंतपुरम निगम में बीजेपी-राजग को मिला जनादेश केरल की राजनीति में एक ऐतिहासिक क्षण है। लोगों को यकीन है कि राज्य की विकास की आकांक्षाओं को केवल हमारी पार्टी ही पूरा कर सकती है। हमारी पार्टी इस जीवंत शहर के विकास की दिशा में काम करेगी और लोगों के लिए श्ईज ऑफ लिविंगश को बढ़ावा देगी। एक और ट्वीट में उन्होंने कहा, सभी मेहनती भाजपा कार्यकताओं का धन्यवाद जिन्होंने लोगों के बीच काम किया है।

सम्पादकीय...

पीड़ा से मुक्ति

देश में लंबे समय से यह मुद्दा सार्वजनिक विमर्श में रहा है कि विषम परिस्थितियों में एक त्रासदी से मुक्ति हेतु इच्छामृत्यु की अनुमति दी जाए या नहीं। समय-समय पर अदालती फैसलों ने मार्गदर्शक भूमिका निभाई है। साथ ही कोशिश की गई है कि इस छूट का दुरुपयोग न किया जा सके। हाल ही में एक ज्वलंत प्रसंग पर सुप्रीम कोर्ट की स्पष्ट टिप्पणी थी कि हमें अब कुछ करना होगा, इस तरह के त्रासद जीवन की कोई तार्किकता नहीं है। दरअसल, यह मामला एक 32 वर्षीय युवक का है, जो पिछले 13 सालों से कोमा जैसी स्थिति में है। यह अब केवल महज चिकित्सीय त्रासदी का मामला नहीं रह गया है। अब यह एक महत्वपूर्ण कानूनी और नैतिक प्रश्न भी बन चुका है। निश्चित रूप से शीर्ष अदालत की टिप्पणी देश में जीवन के अंतिम क्षणों में गरिमापूर्ण व्यवहार के दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। निश्चय ही यह प्रसंग अतीत में बहुचर्चित अरुणा शानबाग के मामले की यादें फिर से ताजा कर देता है। इस प्रसंग ने ही देश को पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु के प्रश्न का सामना करने के लिये बाध्य किया था। वर्ष 2011 में, सुप्रीम कोर्ट ने अरुणा शानबाग के मामले में फैसला सुनाते हुए, सैद्धांतिक रूप से निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। दरअसल, अरुणा शानबाग एक भयानक हमले के बाद से ही 42 वर्षों से कोमा जैसी स्थिति में रही थीं। भले ही अदालत ने इस मामले में निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी, लेकिन साथ ही उसके साथ कुछ प्रतिबंधात्मक सुरक्षा उपायों के अनुपालन के भी निर्देश दिए थे। निश्चित रूप से इस मामले में अदालती फैसला नैतिक प्रेरणा का स्रोत भी बना। कालांतर में जिसके चलते वर्ष 2018 में एक संविधान पीठ ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु को कानूनी मान्यता प्रदान की। साथ ही इसके लिये एक आवश्यक प्रक्रिया भी निर्धारित की थी। जिसका मकसद था कि समाज में कहीं इस छूट का दुरुपयोग आपराधिक स्वार्थों के लिये न किया जा सके। वर्ष 2023 में, अदालत ने इन दिशानिदेशों को और सरल बनाने का प्रयास किया। जिसमें इस बात पर बल दिया गया कि प्राथमिक और माध्यमिक चिकित्सा बोर्डों द्वारा स्थिति के मूल्यांकन की आवश्यकता रहेगी। फिलहाल देश में वही प्रक्रिया आज भी चल रही है। बहरहाल, वर्तमान मामले में बार-बार की गई अपीलें, इससे जुड़ी खामियों को भी उजागर करती हैं। दरअसल, ऐसे मामलों में पीड़ित को घर में दी जाने वाली देखभाल अपर्याप्त ही साबित होती है। वहीं दूसरी ओर राज्य का समर्थन भी पर्याप्त नहीं रहा है। इसके अलावा ऐसे मामलों से जुड़ी अनसुलझी नैतिक दुविधाएं असमंजस की स्थिति पैदा करती रही हैं। निस्संदेह, इस मामले में किसी युवा वयस्क के लिये निष्क्रिय इच्छामृत्यु की पहली स्पष्ट स्वीकृति हो सकती है। आज देश में हजारों मरीज कोमा जैसी अवस्था में नारकीय जीवन जी रहे हैं। जो उनके परिवारों के लिये भी एक त्रासदी की स्थिति है। जहां परिवार एक ओर भावनात्मक संकट से जूझ रहे होते हैं, वहीं रोगी के उपचार से जनित आर्थिक बोझ भी निरंतर बढ़ता जाता है। दूसरी ओर संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमापूर्ण मृत्यु के अधिकार पर भी सवाल उठते रहे हैं। निस्संदेह, अदालत को जटिल परिस्थितियों में जैविक अस्तित्व के कठोर विस्तार के बजाय रोगी की मुक्ति और परिवार की पीड़ा को प्राथमिकता देनी चाहिए।

राशिफल

मेषः- जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है। नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का एहसास होगा। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

बृषभः- शासन-सत्ता से जुड़े लोगों के साथ निकटता बढ़ेगी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य पूर्ण होने के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।

मिथुनः- संबंधों में व्यवहार कुशल बने। सामाजिक एवं मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागेदारी संभव। निकट संबंधों में अपनी अच्छी छबि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता से उत्साहित होंगे।

कर्कः- विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होंगी। नवीन आशाएं नये उत्साह का संचार करेंगी। कार्यक्षेत्र में संबंधों का भरपूर लाभ उठाएंगे।

सिंहः- अंतमरुखी स्वभाव को त्याग बामुखी बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली रहेगी।

कन्याः- पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे। शिक्षा में समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन नकारात्मक चिंताओं से बोझिल होगा।

तुलाः- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। पारिवारिक वातावरण में उत्साह का माहौल रहेगा। दुबिधाओं का त्याग कर लक्ष्य पर केंद्रित हों।

वृश्चिकः- कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरें में ब्यस्तता बढ़ेगी। परिजनों के भावनात्मक सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आसपास का माहौल प्रसन्न होगा।

धनुः- कठिन एवं विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे। सामाजिक सक्रियता से मान-प्रतिष्ठा में बढ़ेगी। घरेलू दायित्वों की पूर्ति होगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

मकरः- कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। निकट संबंधों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। गैर सांस्कारिक कायरे की आकर्षित मन पर अंकुश लगायें।

कुंभः- कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी।

जो चीजें हमारे यहां नहीं बनतीं, उनकी मैन्युफैक्चरिंग जरूरी है

डॉ. अरुणा शर्मा

"स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत" का लक्ष्य यों तो बहुत अच्छा है, लेकिन यह तभी सफल हो सकता है, जब हमारी नीतियां गुणवत्तापूर्ण मैन्युफैक्चरिंग और ऐसी चीजों के उत्पादन को बढ़ावा दें, जिनका निर्माण अभी भारत में नहीं हो रहा है। जब तक ऐसा नहीं होगा, तब तक तो हमारे आयात में ही इजाफा होगा।ईज ऑफ डुइंग बिजनेस के नाम पर गुणवत्ता नियंत्रण को कमजोर करने के नए आदेश क्या यह दिखाते हैं कि भारत में मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में अब क्वालिटी की अहमियत नहीं रही? यह ना भूलें कि "एशियन टाइगर्स" की श्रेणी में आने वाले देश (हांगकांग, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया और ताइवान) विकसित अर्थव्यवस्था तब बने, जब उन्होंने गुणवत्तापूर्ण उत्पादों में निवेश किया और अपने उत्पादों की गुणवत्ता सुधारने के लिए इनोवेशन किए। दूसरी तरफ, गुणवत्ता में कमी का असर यह होने वाला है कि खराब क्वालिटी वाले उत्पाद हमारे बाजार में भेजे जाएंगे, जो हमारे घरेलू उत्पादन को नुकसान पहुंचाएंगे। 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए हमें एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना होगा। यह सुनिश्चित करना पड़ेगा कि हर उत्पाद गुणवत्ता वाला हो और आयात के स्थान पर घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिले। यदि दुनिया में ये संदेश चला गया कि हमारे यहां गुणवत्ता की कसौटी अनिवार्य नहीं है तो भारत टेक्स्टाइल्स, स्टील, केमिकल आधारित उत्पादों जैसे फार्मा और अन्य उपयोगी वस्तुओं की मैन्युफैक्चरिंग का डम्पिंग ग्राउंड बन सकता है। वास्तव में इस तरह के अदूरदर्शी निर्देश हमारी आत्मनिर्भरता और हमारे विश्वगुरु कहलाने की आकांक्षाओं पर प्रतिकूल असर डालते हैं। घरेलू बाजार में दबदबे और निर्यात के लिए उत्पादों की गुणवत्ता सबसे महत्वपूर्ण है और आयात से गुणवत्ता नियंत्रण हटाना इसी चीज को कमजोर करता है। बहरहाल, नई एकीकृत चार श्रम संहिताएं स्वागतयोग्य हैं। इनमें गिग वर्कर्स समेत सभी तरह के श्रमिकों को शामिल किया गया है। उन्हें सामाजिक सुरक्षा देने की कोशिश की गई है। लेकिन इसमें न्यूनतम मजदूरी पर ही ज्यादा जोर है, जबकि बेहतर जीवन सुनिश्चित करने वाली मजदूरी अभी भी अपेक्षित है। सवाल यह है कि हम ये सुनिश्चित करें कि श्रमिकों से नियमानुसार और शोषण-रहित ही काम लिया जाए और हम पहले से नाजुक चल रहे श्रम बाजार को मजबूत करने में सक्षम बनें। नियोक्ता और कर्मचारी के बीच संतुलन बनाने का उद्देश्य गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को भविष्य निधि, ईएसआईसी और बीमा जैसी सुरक्षा देना है, ताकि एक से अधिक नियोक्ताओं के साथ काम कर रहे लोगों के लिए पार्ट टाइम, वर्क फ्रॉम होम जैसी नई कार्य-प्रणालियों को भी सुरक्षा के दायरे में लाया जा सके। अब प्रत्येक राज्य अपने नियम अधिसूचित करेगा और माना जा रहा है कि कुछ सहमत सिद्धांतों पर एकरूपता रहेगी। खासकर, असंगठित क्षेत्र के 90 प्रतिशत श्रमिकों के लिए। इधर, छोटे उद्योगों के लिए भी निवेश की सीमा 10 करोड़ रुपए और टर्नओवर की सीमा 100 करोड़ रुपए तक बढ़ाकर उन्हें दुबारा परिभाषित किया गया है। इससे इन इकाइयों पर अनुपालन का बोझ कम हुआ है और 300 कर्मचारियों तक के उद्योगों को भर्ती और यहां तक कि छंटनी में भी आसानी हुई है। यहां विशेष ध्यान देना होगा कि

कामगारों का शोषण न हो। डिजिटल फाइलिंग का बोझ इससे ऊपर वाले उद्योगों के लिए है और वह भी स्वघोषणा पर आधारित है।

इस प्रकार, चार श्रम संहिताएं, लघु उद्योगों की परिभाषा में संशोधन और सबसे महत्वपूर्ण गुणवत्ता नियंत्रण में ढील एक समग्र दृष्टिकोण के तौर पर एक-दूसरे के विरोधाभासी हैं। श्रम संहिता की सुरक्षा लचीलेपन के कारण अनौपचारिक श्रम अदालतों के बड़े हिस्से को उनके अधिकारों से वंचित कर देगी। कैजुअलाइजेशन को नियोक्ताओं के विवेक पर छोड़ा गया है, जिससे स्थायी नौकरियों के बजाय ठेका आधारित श्रम को अधिक बढ़ावा मिलेगा। मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र को मजबूत करने के लिए ऐसा समग्र दृष्टिकोण आवश्यक है, जिसमें गुणवत्ता को ही की-फैक्टर माना जाए। बेहतर कौशल वाले श्रमिक हों, उनके अधिकार सुरक्षित रखे जाएं और बेहतर इनोवेशन को बढ़ावा मिले। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

कुछ खास...

हमारे हितों की अनदेखी कर हमसे दोस्ती मुमकिन नहीं

ब्रह्मा चेलानी

अमेरिका की भारत-नीति दिन-ब-दिन अधिक विद्वेषपूर्ण होती जा रही है, लेकिन उसे यह मालूम होना चाहिए कि दीर्घकालिक अमेरिकी रणनीतिक हितों के लिए भारत से अधिक महत्वपूर्ण कोई और शक्ति नहीं है। क्योंकि जनसंख्या, भौगोलिक स्थिति और सैन्य क्षमता- जिनमें परमाणु क्षमता भी शामिल है- के लिहाज से भारत एकमात्र ऐसा देश है, जो एशिया पर प्रभुत्व जमाने और अमेरिका के वर्चस्व को बेदखल करने की चीन की कोशिशों को चुनौती दे सकता है। जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के कार्यकाल से ही वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति-संतुलन बनाए रखने के लिए भारत के साथ साझेदारी को निर्णायक माना है। यह नीति कभी सिर्फ भाषणबाजी तक ही सीमित नहीं रही थी। पिछले एक दशक में तो अमेरिका-भारत सुरक्षा संबंध तेजी से गहराए थे- विशेषकर सैन्य इंटर-ऑपरेबिलिटी, खुफिया सहयोग और तकनीकी लेनदेन के स्तर पर। वास्तव में, भारत-अमेरिका रिश्तों में बढ़त का एक हिस्सा तो ट्रम्प के पहले कार्यकाल में घटा था। चीन पर दबाव बढ़ाने और पाकिस्तान को दी जाने वाली सुरक्षा सहायता घटाने के साथ ही ट्रम्प ने भारत के साथ सहयोग को बढ़ाया, जो उनकी इंडो-पैसिफिक रणनीति के केंद्र में था। इसका असर भी स्पष्ट है रू भारत आज किसी भी अन्य देश की तुलना में अमेरिका के साथ अधिक सैन्य अभ्यास करता है और अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बन चुका है। लेकिन इसी प्रक्रिया के बीच अमेरिका ने भारत को सतर्क रहने के कई कारण भी दिए। अफगानिस्तान से उसका अव्यवस्थित पलायन- जो बाइडेन के कार्यकाल में हुआ लेकिन जिसकी बुनियाद ट्रम्प द्वारा किए समझौते से पड़ी थी- ने अमेरिकी नेतृत्व की समझदारी और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए, क्योंकि इसने अफगानिस्तान को फिर से तालिबान के हवाले कर दिया। चिंताएं 2022 में तब और बढ़ीं, जब बाइडेन प्रशासन ने पाकिस्तान को आईएमएफ से बेलआउट दिलाने में मदद की और फिर उसके एफ-16 बेड़े के आधुनिकीकरण के लिए 45 करोड़ डॉलर की भी मंजूरी दे दी। ट्रम्प ने भी पाकिस्तान के प्रति इस झुकाव को और तेज ही किया है, जिसका एक उदाहरण उससे की गई क्रिप्टोकरेंसी डील है। अमेरिका ने अकसर भारत के हितों की अनदेखी की है। इसके बावजूद रूस पर लगाए प्रतिबंधों को लागू कराने के मामले में वह भारत से पूरी निष्ठा की उम्मीद करता रहा। भारत इससे सहमत नहीं हुआ और उसने डिस्काउंटेड दरों पर रूसी तेल की खरीद बढ़ा दी। भारत को सुदूर यूरोप में चल रहे किसी संघर्ष के लिए अपने राष्ट्रीय हितों की बलि देने का कोई कारण नहीं दिखा, खासकर तब, जब रूस पर पश्चिमी दबाव का सबसे बड़ा लाभार्थी चीन था। भारत इस समीकरण को पहले भी देख चुका है। 2019 में जब ट्रम्प ने ईरान पर कड़े प्रतिबंध लगाए तो भारत अपने सबसे सस्ते और भरोसेमंद ऊर्जा स्रोतों में से एक से वंचित हो गया था। चीन ने इसका पूरा फायदा उठाया। उसने ईरानी कच्चा तेल भारी छूट पर खरीदा और वहां अपनी सुरक्षा मौजूदगी बढ़ाई। रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद भी यही पैटर्न उभरा। पश्चिमी बाजारों से रूस को अलग कर देने के बाद उस पर लगाए प्रतिबंधों ने उसे चीन पर आर्थिक रूप से निर्भर बना दिया, जिससे चीन को रूस से आने वाले ऊर्जा-आपूर्ति मार्गों को मजबूत करने की क्षमता मिल गई।

एस.एस. राजामौली ने की एकाकी में जॉनर में बदलाव लाने के लिए आशीष चंचलानी की तारीफ

आशिष चंचलानी, जो भारत के सबसे बड़े डिजिटल स्टार्स में से एक हैं और जिनकी पूरे देश में जबरदस्त फैन फॉलोइंग है, उन्होंने अपने करियर में एक बड़ा कदम उठाया है। सालों तक पैरोडी और कॉमिक वीडियोज से लोगों का मनोरंजन करने के बाद, अब उन्होंने डायरेक्शन की दुनिया में अपनी पहली सीरीज एकाकी के साथ एंट्री की है। हॉरर-कॉमेडी थ्रिलर पर आधारित इस सीरीज के पहले दो एपिसोड रिलीज हो चुके हैं और दर्शकों व क्रिटिक्स दोनों से अच्छी तारीफें बटोर रहे हैं। यह पल इसलिए भी खास है क्योंकि देश के बड़े फिल्ममेकर एस.एस. राजामौली ने भी आशिष को सराहते हुए शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने एक्स (पहले ट्विटर) पर आशिष के आशिष के काम की तारीफ की। कहना गलत नहीं होगा कि है। एस.एस. लिए यह तारीफ उनकी क्रिएटिव सफर में बहुत बड़ा गर्व पल वाराणसी के राजामौली ने एकाकी के कुछ स्टिल्स शेयर किए और लिखा; ख़ुद इवेंट में आशिष से मुलाकात हुई थी और अब उन्हें अपनी रूप में की लिखी, बनाई और प्रोड्यूस की गई सीरीज के साथ देख क्रिएटिव कर खुशी हो रही है। रुमांप बहुत लिए उन्होंने अच्छी लग रही है खासकर हॉरर से कुणाल छाबड़िया साइ-फाई में जाने वाला ट्विस्ट। बहुत दोडेजा पैरेलल समझदारी भरा आइडिया। ढेर सारी प्रोजेक्ट को शुभकामनाएं ीबींदबीसंदप !!"एकाकी रहे हैं और में आशिष चंचलानी राइटर, तनीश डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और लीड एक्टर के सोच और कई जिम्मेदारियाँ निभाते दिखते हैं। इससे उनके लुक तैयार जुनून की गहराई साफ दिखती है। इस सीरीज के लिखा है, और अपनी भरोसेमंद टीम को फिर साथ जोड़ा है, दी है। एक अलग को-प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़े हैं, आकाश वाली यह सीरीज, लीड निभा रहे हैं, जबकि जशन सिरवानी दूसरा एपिसोड 8 एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के रूप में संभाल सिरवानी क्रिएटिव डायरेक्टर के रूप में इसकी कर रहे हैं। स्क्रीनप्ले को ग्रिशिम नवानी ने मिलकर लाइन प्रोड्यूसर रितेश सदवानी ने प्रोडक्शन में पूरी मदद तरह का और डूबकर देखने वाला किस्सा देने का वादा करने एकाकी, का पहला एपिसोड 27 नवंबर 2025 को आया था और दिसंबर 2025 को रिलीज हुआ। दोनों एपिसोड एसीवी स्टूडियोज के यूट्यूब चैनल पर ही एक्सक्लूसिव तौर से रिलीज हुए हैं।

पाकिस्तान सहित इन 6 देशों में बैन है धुरंधर फिल्म, जानें इसके पीछे की चैंका देने वाली बड़ी वजह

आदित्य धर के निर्देशन में बनी स्पाई एक्शन थ्रिलर धुरंधर ने रिलीज के पहले ही हफ्ते में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की है। 5 दिसंबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने सातवें दिन भी 27 करोड़ रुपये की कमाई की और कुल कलेक्शन 207.25 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर माधवन, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन जैसे स्टार्स से सजी यह फिल्म आपरेशन लायन से प्रेरित है। फिल्म की लंबाई 3 घंटे 30 मिनट है, लेकिन इसके गाने, कहानी, एक्शन और निर्देशन को दर्शकों ने खूब सराहा है। फिल्म का ओपनिंग वीकेंड भी शानदार रहा। पहले दिन 27.60 करोड़, दूसरे दिन 33.10 करोड़ और तीसरे दिन 44.70 करोड़ की कमाई हुई। चैथे दिन 24.30 करोड़ के साथ वीकडे में भी फिल्म ने स्थिरता दिखाई। कुल मिलाकर यह 2025 की दूसरी सबसे बड़ी ओपनर बन गई है, जिसने श्शैयाराश को पीछे छोड़ दिया। हालांकि, ग्लोबल मार्केट में फिल्म को बैन का सामना करना पड़ा। फिल्म को पाकिस्तान सहित 6 अन्य देशों में रिलीज की अनुमति नहीं मिली। बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में इसे रिलीज नहीं किया गया। एक सोर्स के मुताबिक, फिल्म को एंटी पाकिस्तान मुवी माना गया, इसलिए थीम की वजह से रिलीज को मंजूरी नहीं मिली। फिल्म का ओवरसीज कलेक्शन चार दिनों में 44.07 करोड़ रुपये रहा, जो गल्फ मार्केट से अधिक होता अगर रिलीज मिली होती। पहले भी कई भारतीय फिल्में पाकिस्तान-संबंधित कंटेंट के कारण गल्फ में रिलीज नहीं हो पाईं। 2025 में ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फिल्म फाइटर भी इसी वजह से अधिकांश गल्फ देशों में बैन रही। इसी तरह स्काई फोर्स, द डिप्लोमैट, आर्टिकल 370, टाइगर 3 और द कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्में भी मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों में प्रतिबंधित रहीं। धुरंधर की सफलता के बाद मेकर्स ने धुरंधर 2 की घोषणा कर दी है। यह फिल्म 19 मार्च 2026 को रिलीज होगी। उसी दिन यश की टॉक्सिक भी रिलीज होने जा रही है। दो बड़ी फिल्मों के रिलीज होने से बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों के लिए दिलचस्प मुकाबला देखने को मिलेगा। इस प्रकार, ग्लोबल मार्केट में बैन के बावजूद धुरंधर भारत में दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय साबित हुई है और बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई कर रही है।

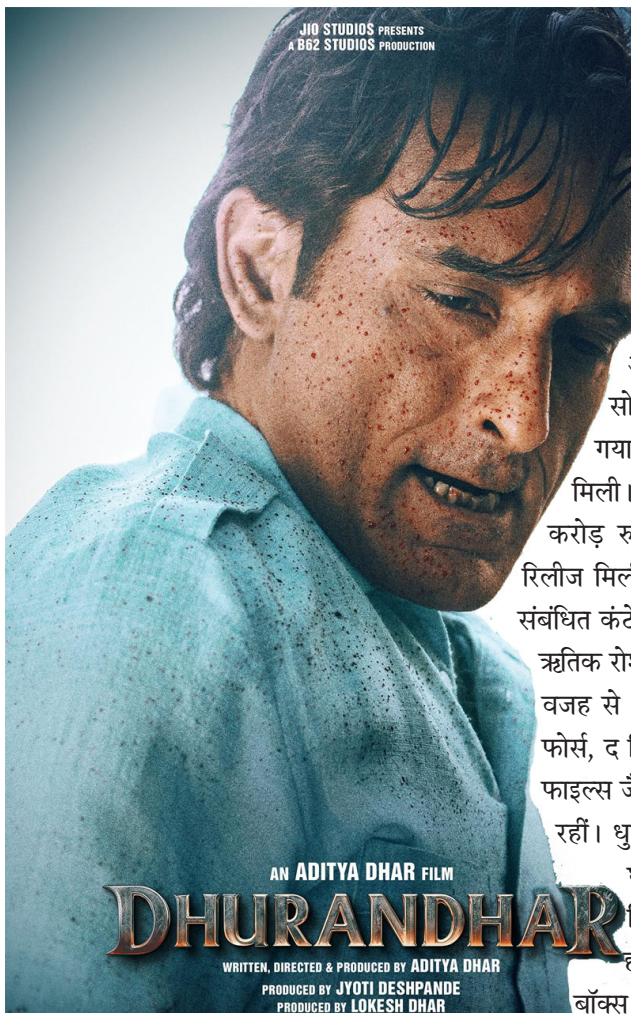

हेमा मालिनी को इस नाम से बुलाते हैं सनी-बॉबी देओल, ड्रीम गर्ल ने खुद किया था बड़ा खुलासा

बॉलीवुड की जानी-मानी जोड़ियों में से एक हैं हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की जोड़ी। पर्दे पर इनकी जोड़ी हमेशा हिट रही, वहीं रियल लाइफ में भी इनके रिश्ते की चर्चा रही है। दोनों की मुलाकात फिल्म सेट पर हुई थी और काम के दौरान उनकी दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। उस समय धर्मेंद्र पहले से ही शादीशुदा थे और उनके चार बच्चे सनी, बॉबी, अजीता और विजेता थे। शुरूआती दिनों में देओल परिवार इस रिश्ते को लेकर नाराज था, लेकिन बाद में सब ठीक हो गया हेमा मालिनी ने 25 साल पहले दूरदर्शन के शो श्हेलो डीडीश में बताया था कि सनी और बॉबी देओल उन्हें हेमा जी कहकर बुलाते हैं। उन्होंने इस दौरान कहा कि दोनों बहुत अच्छे हैं और उनके साथ हमेशा सम्मान से पेश आते हैं। हेमा मालिनी ने कई इंटरव्यूज में भी देओल परिवार के साथ अपने रिश्ते की बात की है और बताया कि सनी और बॉबी दोनों प्यार और सम्मान से पेश आते हैं। हालांकि, धर्मेंद्र के निधन के बाद खबरें आईं कि हेमा मालिनी और देओल परिवार के बीच रिश्तों में दूरी आ गई है। धर्मेंद्र के अंतिम संस्कार और प्रेयर मीट में दोनों परिवार अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित कर रहे थे। दिल्ली में हाल ही में रखी गई प्रेयर मीट में भी सनी-बॉबी देओल का परिवार शामिल नहीं दिखा। हालांकि, इस मामले पर किसी भी पक्ष से आधिकारिक बयान नहीं आया है। हेमा मालिनी 77 साल की हैं, सनी देओल 68 और बॉबी देओल 56 साल के हैं। सनी और हेमा

के बीच उम्र का अंतर 9 साल है, जबकि बॉबी देओल हेमा से 21 साल छोटे हैं। धर्मेंद्र का निधन 24 नवंबर, 2025 को हुआ। 89 साल की उम्र में उनका लंबी बीमारी के बाद निधन हुआ। अंतिम समय में उन्हें सांस लेने में परेशानी थी और वे वेंटिलेटर पर थे। धर्मेंद्र की मौत ने परिवार और फैंस को गहरे दुख में डाला। धर्मेंद्र को आखिरी बार अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा की फिल्म "इक्कीस" में देखा जाएगा। यह फिल्म क्रिसमस के मौके पर रिलीज होगी। फिल्म में जयदीप अहलावत समेत अन्य कलाकार भी अहम भूमिका में हैं। धर्मेंद्र को आखिरी बार स्क्रीन पर देखने के लिए फैंस बेहद उत्साहित हैं।

क्रिसमस पर लौटेगा क्लासिक बॉलीवुड रोमांस, कार्तिक, अनन्या की लव स्टोरी

इस क्रिसमस दर्शकों को मिलने वाला है एक खास सिनेमाई तोहफा। कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे अपनी नई फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में एक बार फिर साथ नजर आएंगे। यह फिल्म 25 दिसंबर 2025 को रिलीज होगी और क्लासिक बॉलीवुड रोमांस की उसी पुरानी, मीठी वाइब को वापस लाने का वादा करती है, जिसे दर्शक बेहद पसंद करते रहे हैं। दोनों की सहज, ताजगी भरी केमिस्ट्री एक बार फिर बड़े पर्दे पर जादू बिखेरने वाली है। फिल्म में रोमांस बिल्कुल पुरानी रूह वाला है सीधा-सादा, दिल को छूने वाला और बिना किसी भारी-भरकम ड्रामा के। कार्तिक अपनी ट्रेडमार्क रोमांटिक-कॉमेडी स्टाइल में नजर आएंगे, वहीं अनन्या अपनी मजबूत

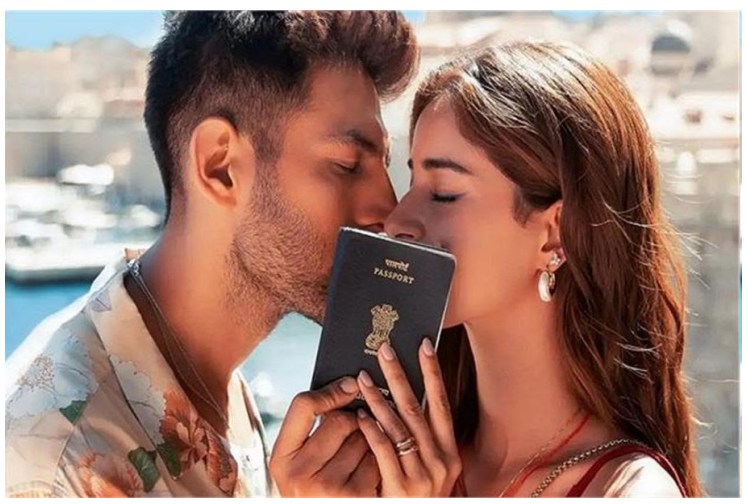

और ग्राउंडेड परफॉर्मेंस के साथ कहानी में एक ताजा, ईमानदार एहसास जोड़ेंगी। दोनों का रिश्ता स्क्रीन पर गर्मजोशी, हल्की-फुल्की नोकझोंक और दिल छू लेने वाली मासूमियत से भरा नजर आएगा, जो क्रिसमस की रोशनी में और भी खूबसूरत बन जाता है। क्रोएशिया और भारत की मनमोहक खूबसूरत लोकेशंस पर फिल्माई गई यह कहानी एक त्योहारों से भरी पोस्टकार्ड जैसी दुनिया तैयार करती है रंगों से सजी, संगीत में लिपटी और ऐसी छोटी-छोटी पलों से भरी, जो चेहरे पर मुस्कान ला दें। निर्देशक समीर विदवान्स द्वारा निर्देशित और धर्मा प्रोडक्शंस व नमः पिक्चर्स द्वारा निर्मित यह फिल्म क्रिसमस 2025 के लिए एक गर्मजोशी भरा, दिल को सुकून देने वाला अनुभव पेश करने वाली है।

स्तन कैंसर मरीजों के लिए व्रत रखना हो सकता है फायदेमंद, नए शोध में हुआ बड़ा खुलासा

स्तन कैंसर महिलाओं में होने वाला सबसे आम कैंसर है। दुनिया भर में महिलाओं में एस्ट्रोजन-आधारित ब्रेस्ट कैंसर सबसे आम प्रकार है, जिसके इलाज के लिए डॉक्टर आमतौर पर 'एंडोक्राइन थेरेपी' (जैसे टेमोक्सीफेन दवा) का उपयोग करते हैं। ये दवाएं एस्ट्रोजन को रोककर कैंसर कोशिकाओं की ग्रोथ को धीमा करती हैं। हालांकि समस्या तब उत्पन्न होती है जब लंबे समय के उपचार के बाद ट्यूमर इन दवाओं के प्रति रेसिस्टेंट हो जाता है और कैंसर फिर से बढ़ने लगता है। इस गंभीर चुनौती का सामना करने के लिए हाल ही में हुए एक स्टडी ने हैरान कर देने वाला समाधान खोजा है और वो है नियंत्रित उपवास। शोधकताओं ने चूहों पर प्रयोग में पाया कि जब टैमोक्सीफेन के साथ-साथ हफ्ते में 48 घंटे का उपवास कराया गया, तो ट्यूमर खत्म होने की रफ्तार सिर्फ दवा लेने के मुकाबले कहीं ज्यादा थी। उन्होंने पाया है कि अगर एंडोक्राइन थेरेपी के साथ मरीज नियंत्रित तरीके से उपवास करे, तो कैंसर सेल्स दवा के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं, जिससे ट्यूमर तेजी से ठीक हो सकता है। यह खोज भविष्य में लाखों मरीजों के लिए वरदान साबित हो सकती है, जिन पर कैंसर की पुरानी दवाइयों ने असर करना बंद कर दिया है।

कैसे काम करता है उपवास का कैंसर-रोधी प्रभाव?

उपवास का असर सीधे शरीर के हार्मोनल स्तर पर होता है। शोधकताओं के अनुसार जब शरीर भूखा रहता है, तो कोर्टिसोल और प्रोजेस्टेरोन हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है। बढ़ा हुआ कोर्टिसोल कैंसर कोशिकाओं के अंदर एक महत्त्वपूर्ण 'रिसेप्टर' को सक्रिय करता है, जिसे 'ग्लूकोकोर्टिकॉइड रिसेप्टर' कहते हैं। यह रिसेप्टर ट्यूमर की ग्रोथ को रोकने वाले जीन्स को 'ऑन' कर देता है और कैंसर बढ़ाने वाले प्रोटीन्स को ब्लॉक कर देता है।

उपवास ने कैंसर सेल्स को बनाया संवेदनशील

इस हार्मोनल बदलाव के कारण, उपवास कैंसर कोशिकाओं की रक्षात्मक दीवार को कमजोर कर देता है। कमजोर हुई कैंसर कोशिकाएं एंडोक्राइन थेरेपी की दवाओं के प्रति फिर से संवेदनशील हो जाती हैं। यानी उपवास एक तरह से दवा के प्रभाव को पुनः सक्रिय करता है। यह कॉम्बिनेशन उपचार उन प्रतिरोधी ट्यूमर पर भी प्रभावी परिणाम दिखाता है, जिन पर केवल दवा का असर नहीं हो रहा था।

भूखा नहीं रह सकते? दवा है विकल्प

वैज्ञानिकों ने यह भी ध्यान में रखा कि हर मरीज के लिए लंबे समय तक भूखा रहना संभव नहीं है, खासकर उपचार के दौरान। इसलिए, उन्होंने पाया कि 'डेक्सामेथासोन' नामक एक सामान्य स्टेरॉयड दवा देने पर भी शरीर में बिल्कुल वैसा ही असर होता है, जैसा उपवास करने पर होता है। यह दवा कैंसर सेल्स को उसी तरह कमजोर करती है, जिससे एंडोक्राइन थेरेपी की दवाएं फिर से असरदार हो जाती हैं।

भविष्य की चिकित्सा में बदलाव

यह नई खोज स्तन कैंसर के इलाज की दिशा में एक बड़ा मोड़ ला सकती है। अब डॉक्टर उन ब्रेस्ट कैंसर मरीजों के लिए व्यक्तिगत उपचार योजनाएं बना सकते हैं जो एंडोक्राइन थेरेपी के प्रति रेसिस्टेंट हो चुके हैं।

इस विधि में या तो नियंत्रित उपवास या डेक्सामेथासोन दवा का उपयोग करके कैंसर की दवाओं को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

क्या होते हैं अवसाद के शुरूआती लक्षण, ऐसे कर सकते हैं पहचान

अवसाद यानी डिप्रेशन सिर्फ उदासी या खराब मूड नहीं है, यह एक गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्या है जिसके लिए पेशेवर उपचार की आवश्यकता होती है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में, तनाव या क्षणिक उदासी महसूस करना सामान्य

है, लेकिन जब यह उदासी लगातार दो सप्ताह या उससे अधिक समय तक बनी रहती है और व्यक्ति की दैनिक गतिविधियों, रिश्तों और कार्यक्षमता को बुरी तरह प्रभावित करने लगती है, तो यह अवसाद का संकेत हो सकता है। लोग अक्सर सोचते हैं कि वे 'कमजोर' महसूस कर रहे हैं या यह केवल 'मन की बात' है, लेकिन डिप्रेशन मस्तिष्क में रासायनिक असंतुलन के कारण होता है। इसके लक्षणों को नजरअंदाज करना न केवल व्यक्ति की मानसिक स्थिति को बिगाड़ता है, बल्कि यह शारीरिक स्वास्थ्य और यहां तक कि आत्मघाती विचारों को भी जन्म दे सकता है। अवसाद को पहचानने का पहला कदम है इसके प्रमुख लक्षणों को समझना, ताकि समय रहते मदद ली जा सके।

लगातार उदास और निराशाजनक महसूस करना

डिप्रेशन का सबसे प्रमुख लक्षण है लगभग हर दिन, दिन के अधिकांश समय गहरा दुख, उदासी, या खालीपन महसूस करना। व्यक्ति को किसी भी चीज में आनंद नहीं आना। वह ऐसी गतिविधियों में भी रुचि खो देता है, जिन्हें वह पहले बहुत पसंद करता था। यह निराशा की भावना इतनी तीव्र हो सकती है कि व्यक्ति को लगता है कि भविष्य में कुछ भी अच्छा नहीं होगा।

नींद और भूख में बड़ा बदलाव

अवसाद ग्रस्त व्यक्ति की नींद के पैटर्न में महत्वपूर्ण बदलाव आता है। कुछ लोगों को अनिद्रा हो जाती है, यानी उन्हें सोने में बहुत कठिनाई होती है या वे बहुत जल्दी जाग जाते हैं। वहीं कुछ लोग बहुत अधिक सोने लगते हैं। इसी तरह भूख में कमी या अत्यधिक वृद्धि के कारण अचानक वजन घटता या बढ़ता है, जो डिप्रेशन का स्पष्ट शारीरिक संकेत है।

एकाग्रता में कमी और निर्णय लेने में कठिनाई

डिप्रेशन संज्ञानात्मक कार्यों को प्रभावित करता है। अवसाद से पीड़ित व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने, पढ़ने या बातचीत पर बने रहने में मुश्किल होती है। वे छोटी-छोटी बातें भूलने लगते हैं और रोजमर्रा के सरल निर्णय लेने में भी असमर्थ महसूस करते हैं। यह स्थिति उनके काम और पढ़ाई को बुरी तरह प्रभावित करती है।

बेचैनी और आत्मघाती विचार

अवसाद वाले कुछ लोग लगातार बेचैनी, चिड़चिड़ापन या शारीरिक तनाव महसूस करते हैं। सबसे गंभीर लक्षण है आत्म-मूल्य की भावना में कमी, अत्यधिक अपराधबोध और आत्मघाती विचार आने लगता है। अगर कोई व्यक्ति मृत्यु या खुद को नुकसान पहुंचाने की बात करता है, तो इसे तत्काल सहायता की आवश्यकता वाला आपातकालीन संकेत माना जाना चाहिए।

अच्छी इम्यूनिटी के लिए विटामिन-सी के साथ जरूरी होते हैं पोषक तत्व, इन चीजों का करें सेवन

मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता बीमारियों से लड़ने और हमें स्वस्थ रखने के लिए शरीर का प्राकृतिक कवच है। हालांकि जब हम इम्यूनिटी की बात करते हैं, तो अक्सर हमारा ध्यान सिर्फ विटामिन उ पर जाता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि मजबूत इन्यूनिटी के लिए विटामिन सी का सेवन करना बहुत जरूरी है। मगर विटामिन उ के साथ-साथ कई अन्य प्रमुख पोषक तत्वों को डाइट में शामिल करना सेहत के लिए फायदेमंद होती है। यह एक जटिल प्रक्रिया है जहां प्रत्येक पोषक तत्व अपनी विशिष्ट भूमिका निभाता है। विटामिन उ जहां संक्रमण से लड़ने वाली व्हाइट ब्लड सेल्स के उत्पादन को बढ़ाता है, वहीं जिंक ळ-सेल्स को सक्रिय करता है, और विटामिन ऊप्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करता है। इसलिए अगर आप सचमुच अपनी इम्यूनिटी को मजबूत करना चाहते हैं, तो एक संतुलित आहार अपनाना जरूरी है जो इन सभी

आवश्यक पोषक तत्वों की आपूर्ति करता हो, ताकि शरीर को रोगों से लड़ने के लिए एक संपूर्ण पोषण कवच मिल सके।

विटामिन C और E

विटामिन C एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है जो आपकी व्हाइट ब्लड सेल्स को ठीक से काम करने में मदद करता है। इसके लिए संतरा, नींबू, शिमला मिर्च, और कीवी का सेवन करें। इसके साथ ही, विटामिन ए भी एक बेहतरीन एंटीऑक्सीडेंट है जो कोशिकाओं को फ्री रेडिकल्स से होने वाली क्षति से बचाता है और प्रतिरक्षा प्रणाली को अच्छे से काम करने में मदद करता है। विटामिन E के लिए बादाम, सूरजमुखी के बीज और एवोकाडो का सेवन कर सकते हैं।

जिंक: प्रतिरक्षा कोशिकाओं की कार्यक्षमता

जिंक एक आवश्यक ट्रेस मिनरल है जो प्रतिरक्षा प्रणाली की लगभग हर अवस्था में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह ळ-कोशिकाओं और अन्य प्रतिरक्षा कोशिकाओं को विकसित करने और उन्हें सक्रिय करने में मदद करता है। जिंक की कमी से इम्यूनिटी कमजोर हो सकती है और संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। अपनी कोशिकाओं को स्वस्थ रखने के लिए कद्दू के बीज, काजू, छोले और दालों को आहार में शामिल करें।

विटामिन ऊके कई स्वास्थ्य लाभ

विटामिन ऊकेवल हड्डियों के लिए ही नहीं, बल्कि इम्यूनिटी के लिए भी बेहद महत्त्वपूर्ण है। यह प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करने में मुख्य भूमिका निभाता है। शोध बताते हैं कि विटामिन ऊकी कमी से श्वास संबंधी संक्रमणों का खतरा बढ़ सकता है। विटामिन डी के लिए आप रोज एक घंटे धूप में रहें, इसके साथ आप वसायुक्त मछली, फिश लिवर ऑयल, और फोर्टिफाइड दूध जैसे आहारों का सेवन कर सकते हैं।

अन्य महत्त्वपूर्ण पोषक तत्व

मजबूत इम्यूनिटी के लिए प्रोटीन आवश्यक है, क्योंकि यह एंटीबॉडी और अन्य इम्यूनिटी से जुड़ी चीजों के लिए आधार प्रदान करता है। इसके लिए अंडे, पनीर, और लीन मीट लें। इसके अलावा आंत के स्वास्थ्य के लिए प्रोबायोटिक्स (दही, छाछ) और फाइबर भी जरूरी हैं, क्योंकि आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली का एक बड़ा हिस्सा आंतों में ही स्थित होता है।

बड़े लक्ष्य का दबाव? उथप्पा ने भारतीय बल्लेबाजी पर उठाए सवाल, भूमिका में स्पष्टता की कमी बताई वजह

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारत को 51 रन से हार का सामना करना पड़ा। 214 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 19.1 ओवर में 162 रन पर सिमट गई। इस हार के बाद टीम इंडिया की बल्लेबाजी रणनीति पर सवाल उठने लगे हैं, खासकर बड़े लक्ष्य के पीछा करने के दौरान अपनाए गए अप्रोच को लेकर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं।

उथप्पा ने रणनीति पर उठाए सवाल

पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने कहा कि समस्या शुरूआती विकेट गिरने की नहीं थी, बल्कि बल्लेबाजों की भूमिका को लेकर स्पष्टता की कमी थी। उनके मुताबिक पारी के शुरूआती ओवरों में जरूरत से ज्यादा लचीलापन (फ्लेक्सिबिलिटी) रन बनाने को और जटिल बना देता है।

गिल के आउट होने के बाद बदली दिशा

उथप्पा ने खासतौर पर शुभमन गिल के आउट होने के बाद की रणनीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब गिल आउट हुए, तब भारत के पास गहरी बल्लेबाजी लाइन-अप मौजूद थी। ऐसे में अक्षर पटेल को एक पिंच-हिटर की भूमिका निभानी चाहिए थी, ताकि तेजी से रन बनाकर दबाव कम किया जा सके और अभिषेक शर्मा को सहयोग मिल सके।

अक्षर पटेल की पारी से नहीं मिला फायदा

उथप्पा के मुताबिक, अक्षर पटेल की संभली हुई 21 रन की पारी (रन-ए-बॉल) दबाव कम करने में नाकाम रही। इससे उल्टा यह हुआ कि विकेट गिरते गए और रन रेट का दबाव और बढ़ता चला गया। नतीजतन भारतीय बल्लेबाजी की रफ्तार और धीमी हो गई, जिससे लक्ष्य और मुश्किल होता चला गया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भूमिका की स्पष्टता जरूरी

रॉबिन उथप्पा ने साफ शब्दों में कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बल्लेबाजों के लिए स्पष्ट भूमिका और स्पष्ट योजना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजों को पहले से पता होना चाहिए कि उन्हें किस तरह पारी बनानी है और किस परिस्थिति में कौन-सा जोखिम लेना है।

जरूरत से ज्यादा फ्लेक्सिबिलिटी बनी परेशानी

उथप्पा का मानना है कि शुरूआती छह से आठ ओवरों के बाद मैच-अप के हिसाब से फ्लेक्सिबिलिटी ठीक है, लेकिन उससे पहले मजबूत नींव बनाना जरूरी है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा, आप बिना नींव के गगनचुंबी इमारत नहीं बना सकते। उनके मुताबिक, एक ही मैच में खिलाड़ियों से कई भूमिकाओं की उम्मीद करना रन बनाने को और जटिल बना देता है।

2007 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य की राय

2007 टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का अहम हिस्सा रहे उथप्पा ने कहा कि वह पारी की शुरूआत में ओपनर्स के अलावा बाकी बल्लेबाजों के लिए जरूरत से ज्यादा लचीलापन रखने के पक्ष में नहीं हैं। उनके अनुसार, भारत को बड़े लक्ष्य के पीछा में स्पष्ट रोल्स के साथ उतरने की जरूरत है, तभी ऐसी परिस्थितियों में बेहतर नतीजे मिल सकते हैं।

इंडिगो पर जीएसटी को लेकर लगभग 59 करोड़ रुपये का जुर्माना, कंपनी आदेश को देगी चुनौती

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो पर जीएसटी से संबंधित लगभग 59 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। एयरलाइन ने शुक्रवार को शेयर बाजार को यह जानकारी दी। दक्षिण दिल्ली आयुक्त कार्यालय के केंद्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) के अतिरिक्त आयुक्त ने वित्त वर्ष 2020झ21 के लिए 58,74,99,439 रुपये का जुमार्ना लगाया है। इंडिगो का कहना है कि वह इस आदेश को चुनौती देगी। कंपनी ने बीएसई को दी जानकारी में कहा कि विभाग ने जीएसटी की मांग के साथ जुमार्ना भी लगाया है। एयरलाइन ने कहा, हमारा मानना है कि अधिकारियों द्वारा पारित आदेश त्रुटिपूर्ण है। इसके अलावा हमारे पास इस मामले में मजबूत आधार हैं, जिनका समर्थन बाहरी कर विशेषज्ञों की सलाह से भी मिलता है। इसलिए कंपनी इस आदेश को संबंधित प्राधिकरण के समक्ष चुनौती देगी। एयरलाइन ने यह भी स्पष्ट किया कि इस कार्रवाई का उसके वित्त, संचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ेगा।

एसबीआई ने ब्याज दर 0.25 प्रतिशत घटायी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की है। इससे मौजूदा और नए कर्जधारकों के लिए ऋण सस्ता हो गया है। रिजर्व बैंक के इस महीने नीतिगत दर रेपो में 0.25 प्रतिशत की कटौती के बाद बैंक ने यह कदम उठाया है। इस कटौती के साथ, एसबीआई की बा मानक आधारित ब्याज दर (ईबीएलआर) 0.25 प्रतिशत घटकर 7.90 प्रतिशत हो जाएगी। एसबीआई ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि संशोधित दरें 15 दिसंबर, 2025 से प्रभावी होंगी।

न्यूजीलैंड की विंडीज पर जीत से भारत को हुआ नुकसान, डब्ल्यूटीसी तालिका में इस स्थान पर खिसका

एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड की वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मैच में नौ विकेट से जीत से भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में नुकसान हुआ है। भारतीय टीम पांचवें से छठे स्थान पर खिसक गई है और शीर्ष दो की दौड़ में पिछड़ती जा रही है। भारतीय टीम ने डब्ल्यूटीसी के शुरूआती दो चक्र में उपविजेता रही, लेकिन पिछले सत्र में फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी। टीम का डब्ल्यूटीसी 2025-27 चक्र में भी प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है जिस कारण अंक तालिका में वह शीर्ष पांच से भी बाहर हो गई है।

न्यूजीलैंड संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को दूसरे टेस्ट मैच में नौ विकेट से हराया। इस शानदार जीत से तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त के साथ न्यूजीलैंड की टीम तालिका में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर आ गई। बेसिन रिवर्स में खेले गए दूसरे टेस्ट में शुक्रवार को न्यूजीलैंड की बड़ी जीत के बाद डब्ल्यूटीसी की तालिका में उलटफेर देखने को मिला। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच सीरीज का तीसरा टेस्ट 18 दिसंबर से खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार से भारत को हुआ था नुकसान

भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू जमीन पर दो मैचों की टेस्ट सीरीज 0-2 से गंवानी पड़ी थी जिस कारण वह डब्ल्यूटीसी की अंक तालिका में पाकिस्तान से भी नीचे पहुंच गया था। भारत पांचवें स्थान पर खिसक गया था, लेकिन अब न्यूजीलैंड की जीत से भी टीम को नुकसान उठाना पड़ा और वह छठे स्थान पर पहुंच गया है। पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 100 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि दक्षिण अफ्रीका 75 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

अन्य टीमों का हाल

श्रीलंका (66.67) संयुक्त तीसरे, जबकि पाकिस्तान (50) पांचवें स्थान पर हैं।

न्यूजीलैंड ने अब तक 66.67 प्रतिशत अंक अर्जित किए हैं, जबकि भारत का जीत-हार प्रतिशत 48.15 है। इंग्लैंड अगर एशेज में वापसी करने में सफल रहा तो भारतीय टीम और नीचे खिसककर सातवें स्थान पर आ सकती है। ऑस्ट्रेलिया एशेज सीरीज में 2-0 से आगे है और सीरीज में तीन और मैच खेले जाने हैं।

जितेश शर्मा ने छुए हरलीन देओल के पैर, बीच मैदान में लिया विश्व चैंपियन खिलाड़ी का आशीर्वाद

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने भारतीय महिला टीम की खिलाड़ी हरलीन देओल के पैर छुए। दरअसल, न्यू चंडीगढ़ के मुल्लांपुर में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टी20 मैच खेला गया। इस मैच से पहले युवराज सिंह और हरमनप्रीत कौर के नाम के स्टैंड्स का अनावरण हुआ। इसी दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने वनडे विश्व कप जीतने वाली महिला टीम के सदस्यों को सम्मानित किया जिसमें हरलीन भी शामिल थीं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे टी20 से पहले जब टीम अभ्यास कर रही थी तो हरलीन ने मजाकिया लहजे में जितेश से अपने पैर छूने को कहा और जितेश ने बिना किसी देरी के उनके पैर छुए और उनसे कुछ बातचीत की। ऐसा लगा कि हरलीन उन्हें मैच के लिए शुभकामनाएं दे रही थीं। अब ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और लोग इसे काफी शेयर कर रहे हैं।

जितेश को सैमसन को मिली तरजीह

जितेश को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरूआती दो मैचों में विकेटकीपर के तौर पर संजू सैमसन पर तरजीह मिल रही है। पहले दोनों मैच में जितेश प्लेइंग-11 का हिस्सा रहे हैं, जबकि सैमसन को बाहर बैठना पड़ा है। जितेश भले ही दूसरे मैच में बल्ले से ज्यादा कमाल नहीं दिखा सके, लेकिन उन्होंने विकेट के पीछे शानदार भूमिका निभाई। जितेश ने क्विंटन डिकॉक को बेहतरीन तरीके से रन आउट किया जो शतक लगाने से चूक गए।

भारत को मिली हार

क्विंटन डिकॉक के बाद ओटेनिल बार्टमैन की शानदार गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने भारत को दूसरे टी20 मैच में 51 रन से हराया। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। दक्षिण अफ्रीका ने डिकॉक के शानदार अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 213 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 19.1 ओवर में 162 रन पर ऑलआउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने इस तरह पांच मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही और टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। शुभमन गिल और कप्तान सूर्यकुमार यादव का बल्ला एक बार फिर खामोश रहा। गिल तो खाता भी नहीं खोल सके। वहीं, अभिषेक शर्मा ने आक्रामक बल्लेबाजी करने की कोशिश की, लेकिन वह जल्द ही विकेट गंवा बैठे। भारत के लिए सिर्फ तिलक वर्मा ने अच्छी बल्लेबाजी की और अर्धशतक लगाया। तिलक आखिरी बल्लेबाज के तौर पर आउट हुए। भारत की ओर से तिलक वर्मा ने 34 गेंदों पर दो चौकों और पांच छक्कों की मदद से 62 रन बनाए। वहीं, जितेश शर्मा ने 27, अक्षर पटेल ने 21, हार्दिक पांड्या ने 20 और अभिषेक शर्मा ने 17 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के लिए ओटेनिल बार्टमैन ने चार विकेट झटके, जबकि लुंगी एनगिडी, मार्को यानसेन और लुथो सिपाम्ला को दो-दो विकेट मिले।

संक्षिप्त समाचार

चौधरी गये तो चौधरी ही आयेंगे भी

लखनऊ(संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी ने आखिरकार उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष फाइनल कर दिया। भूपेन्द्र चैधरी हटेंगे और पंकज चैधरी आयेंगे। चैधरी गये और चैधरी आ रहे हैं फर्क सिर्फ यह है कि भूपेन्द्र चैधरी जाट हैं और पंकज चैधरी कुर्मी। भूपेन्द्र चैधरी को उत्तर प्रदेश बीजेपी का सेनापति तब बनाया गया था जब जाट किसान आंदोलन को लेकर नाराज चल रहे थे। जाट वोटर को खुष्श करने के लिए भूपेन्द्र चैधरी को प्रेसीडेंट बनाकर लाया गया था।इस बार कुर्मी वोटर को खुष्श करने के लिये पंकज चैधरी को प्रेसीडेंट की कमान दी जा रही है। 2024 के लोक सभा चुनाव में कुर्मी वोटर अखिलेश यादव के साथ चले गये और सात कुर्मी सांसद जीत गये। भारतीय जनता पार्टी को कुर्मी वोटरों ने लोक सभा में बड़ा झटका दिया। 2027 के विधान सभा चुनाव में कुर्मी वोट को अपनी तरफ खींचने का बड़ा दाँव हैं पंकज चैधरी। भारतीय जनता पार्टी को लगता है कि सात बार के सांसद पंकज चैधरी के सेनापति बनने से कुर्मी भागकर भाजपा के साथ वापस आ जायेगा। वैसे कुर्मी 2022 के विधान सभा चुनाव से ही सपा की तरफ खिसक गया था लेकिन 24 में पूरी तरह से वह सपा में चला गया। भारतीय जनता पार्टी पंकज चैधरी के जरिये कुर्मी वोटर अपनी तरफ खींच सकती है। पंकज चैधरी बड़े कुर्मी नेता हैं और अपनी बिरादरी में उनकी काफी पैठ है। सौम्य और सरल हैं यह भाजपा खैर फायदेमंद हो सकता है।पंकज चैधरी कल सुबह की फ्लाईट से लखनऊ पहुँच गये हैं।उनका एयरपोर्ट पर बहुत ही गर्मजोशी के साथ बीजेपी के कार्यकताओं ने स्वागत किया है। पंकज चैधरी ने खुद खुशी का इजहार करते हुए पार्टी कार्यकताओं और शुभचिंतको का शुक्रिया अदा किया है। उनका नामांकन फार्म आज दाखिल हो गया है। अब करीब करीब उनका बीजेपी का प्रदेश अध्यक्ष बनना तय हो गया है।घोषणा होने की सिर्फ औपचारिकता बाकी है।

पेंशन पुनरीक्षण व अन्य लाभ का उल्लेख ना होने पर जताई नाराजगी

लखनऊ(संवाददाता)। उ.प्र.स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ द्वारा केन्द्रीय वेतन आयोग की संस्तुति पर आठवें वेतन आयोग जो जनवरी 2026 से दिये जाने का जारी नोटीफिकेशन में पेंशन धारको की पेंशन पुनरीक्षण व अन्य मिलने वाले लाभो का समावेश न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए मा.प्रधानमंत्री व वित्त मंत्री भारत सरकार सहित सचिव वित्त भारत सरकार एवं मुख्यमंत्री उ.प्र.आदि को पत्र प्रेषित कर समय रहते यह तीनो प्रस्ताव को हटाते हुए पूर्व की भातिं पेंशन धारको को यह लाभ दिये जाने की मांग की है। उ.प्र.स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष शशिकुमार मिश्र ने कहा कि प्रदेश के लाखों-लाख पेंशन धारक कर्मचारी चाहे वह स्थानीय निकाय, राज्य,निगम व शिक्षक हो को पेंशन पुनरीक्षण व अन्य मिलने वाले पेंशनर लाभ जो जनवरी 2026 से दिया जाने वाले आठवें वेतन आयोग के जारी नोटीफिकेशन में केन्द्रीय वेतन आयोग के द्वारा आठवें वेतन आयोग के गठन हेतु जारी नोटीफिकेशन में इस बार पेंशन धारक कर्मचारियो हेतु पेंशन पुनरीक्षण एवं अन्य पेशंनर लाभो का कोई प्रस्ताव नही दिया गया। जिसका विरोध करते हुए वह तीनो प्रस्ताव जो पेंशन धारको के लिए हित कर नही है,तत्काल हटाने हेतु प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री भारत सरकार व सचिव वित्त भारत सरकार के साथ साथ मुख्य मंत्री उत्तर प्रदेश आदि को पत्र प्रेषित कर समय रहते आठवें वेतन आयोग की संस्तुतियो में पूर्व की भांति पेंशन धारको की पेंशन पुनरीक्षण व अन्य मिलने वाले पेंशन लाभो का ध्यान देते हुए उन्हे दिये जाने के आदेश जारी किए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जो नोटिफिकेशन जारी किया गया है उसमें हजारों पेंशनर्स के साथ न्याय नही किया गया है।

महासमिति ने एसआईआर कर रही टीम का उत्साह बढ़ाया

लखनऊ(संवाददाता)। इंदिरा नगर आवासी महासमिति के महासचिव सुशील कुमार बच्चा ने बताया कि आरएलबीसेक्टर 14 इंदिरानगर तथा राजकीय बालिका विद्यालय सेक्टर 11 इंदिरा नगर लखनऊ 173 पूर्व के बूथ संख्या -89 से 100 तक बी एल ओ द्वारा शत-प्रतिशत एसआईआर फॉर्म भरवाने में मदद करने के लिए टीम के पर्यवेक्षक विनोद कुमार की देखरेख में हुआ पूरी टीम का उत्साह वर्धन किया गया और उनका फूल और मालाओं से स्वागत किया गया। महासमिति द्वारा जनता से अपेक्षा की गई है कि कोई मतदाता छूटने ना पाएं। टीम ने लगन से काम करने का भरोसा भी दिलाया। सुशील बच्चा ने कहा कि महासमिति अन्य बूथों पर बी एल ओ को सम्मानित करने का काम करेगी।इस मौके पर महासमिति के अध्यक्ष देवी शरण त्रिपाठी एवं संयुक्त सचिव सविता शुक्ला भी मौजूद रही। सम्मानित बी एल ओ मे दिवाकर पटेल ,विभूति श्रीवास्तव, प्रियंका वर्मा, शरद सोनी, प्रीति दुबे , पंकज कुमार, अनूप कुमार, रंजीत कुमार ,गौतम शिवधनी, मोहम्मद रियाज, शिव वरन राम, बिहारी लाल श्रीवास्तव रहे।

कथक और लोकनृत्य की रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोहा

लखनऊ(संवाददाता)। स्मृति उपवन में चल रहे माँ गायत्री जन सेवा संस्थान एवं नीशू वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वाधान में हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव में मुख्य अतिथि दिलीप सिंह वरिष्ठ समाजसेवी अमेठी,अध्यक्ष निधान सिंह शिक्षण संस्थान, विशिष्ट अतिथि ओपी सिंह प्रबंधक गुरुकुल ज्ञान अकादमी, ज्ञान तिवारी समाजसेवी आयोजक अरुण प्रताप सिंह ,रणवीर सिंह, गुंजन वर्मा और हेमू चैरसिया ने सांस्कृतिक संध्या का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में एनी डाउट एंटरटेनमेंट लखनऊ टैलेंट सीजन२2 का भव्य आयोजन राजधानी लखनऊ में संपन्न हुआ। नृत्य, गायन और मॉडलिंग की त्रिवेणी से सजे इस कार्यक्रम में प्रतिभाओं ने मंच पर अपने हुनर का शानदार प्रदर्शन किया। संयोजन आदित्य अग्रवाल द्वारा किया गया, जबकि सह संयोजन राजन गुप्ता एवं निर्देशक स्वाति शर्मा रहीं। अतिथि के रूप में डीएसडी मॉडल्स एजेंसी की संस्थापक दीपिका उपस्थित रहीं। फैशन मॉडल जज के रूप में प्रसिद्ध डिजाइनर ओम दीप मोतियानी एवं अभिनेत्री व मॉडल रश्मी सिंह (मिसेज लखनऊ 2025) ने निर्णायक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दूसरे क्रम में नृत्यांजलि ग्रुप द्वारा कथक प्रशिक्षिका रजनी वर्मा की प्रस्तुतियों ने विशेष आकर्षण बटोरा।

योगी सरकार का किसानों की "आर्थिक समृद्धि" पर जोर

- 31 दिसंबर तक होगी श्रीअन्न की खरीद
- धान किसानों को 4500 करोड़ से अधिक का भुगतान
- धान खरीद सत्र में पंजीकृत हुए 7.83 लाख से अधिक किसान
- 3.15 लाख से अधिक किसानों से हुई 19.14 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद

लखनऊ(संवाददाता)। योगी सरकार का अन्नदाता किसानों की आर्थिक समृद्धि पर विशेष जोर है। योगी सरकार न्यूनतम

समर्थन मूल्य पर धान बिक्री के लिए 4645 क्रय केंद्र स्थापित कर सभी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है, वहीं डीबीटी के माध्यम से किसानों को सीधे अकाउंट में पैसे भी भेज रही है। 3.15 लाख से अधिक किसानों से 19.14 लाख मीट्रिक टन धान खरीद हो चुकी है। इसके एवज में किसानों को 4500 करोड़ से अधिक का भुगतान भी किया जा चुका है। बाजरा बिक्री करने वाले 35 हजार से अधिक किसानों को 421.39 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। उत्तर प्रदेश में श्रीअन्न की खरीद पहली अक्टूबर से हो रही है। पहली अक्टूबर से पश्चिम उत्तर प्रदेश व पहली नवंबर से पूर्वी उत्तर प्रदेश में धान खरीद हो रही है।योगी सरकार साल दर साल अपने ही रिकॉर्ड तोड़ रही है। खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में 13 दिसंबर तक 6.70 लाख किसानों ने धान बिक्री के लिए पंजीकरण कराया था, जबकि 2025-26 में अब तक यह आंकड़ा 7.83 लाख से अधिक है। बाजरा बिक्री के लिए पिछले वर्ष इस अवधि तक 21630 किसानों का पंजीकरण हुआ था, जो इस वर्ष में 80 हजार से अधिक हो गया है। वहीं ज्वार व मक्का में भी पंजीकरण बढ़ गया। ज्वार बिक्री के लिए पिछले साल 12 हजार किसानों ने पंजीकरण कराया था, इस साल 16 हजार से अधिक किसानों का पंजीकरण हो चुका है। बाजरा खरीद 33 व ज्वार खरीद 11 जनपदों में हो रही है।खाद्य व रसद विभाग के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ धान की बिक्री, किसानों को भुगतान, क्रय केंद्र की व्यवस्था आदि को लेकर निरंतर समीक्षा बैठक कर रहे हैं। उन्होंने किसानों को समय से भुगतान करने का निर्देश दिया है। शनिवार दोपहर 12 बजे तक 3.15 लाख किसानों से 19.14 लाख मीट्रिक टन धान खरीद हो चुकी है। इस एवज में यूपी के किसानों को 4541.94 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। 4645 क्रय केंद्र भी स्थापित हो चुके हैं। वहीं श्रीअन्न की बात करें तो बाजरा किसानों को 421.39 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है, पिछले वर्ष इस अवधि तक 187.98 करोड़ रुपये भुगतान हुआ था। सीएम योगी की मॉनीटरिंग से इस वर्ष किसानों को तेजी से भुगतान किया जा रहा है। श्रीअन्न की खरीद पहली अक्टूबर से शुरू हुई थी, जो 31 दिसंबर तक चलेगी। श्रीअन्न के अंतर्गत बाजरा 33, मक्का 25 व ज्वार खरीद 11 जनपदों में हो रही है। पश्चिम उत्तर प्रदेश में 31 जनवरी व पूर्वी उत्तर प्रदेश में 28 फरवरी तक धान खरीद होगी। धान कॉमन का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2369 व ग्रेड ए का 2389 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है। ज्वार का न्यूनतम समर्थन मूल्य मालदांडी 3749, ज्वार हाईब्रिड 3699 रुपये प्रति कुंतल, बाजरा का 2775 व मक्का का 2400 रुपये प्रति कुंतल न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है।

लुलु हाइपरमार्केट, लखनऊ में लुलु फूड फिएस्टा 2025 का भव्य उद्घाटन

लखनऊ(संवाददाता)। लुलु हाइपरमार्केट, लखनऊ में लुलु फूड फिएस्टा 2025 का भव्य और उत्साहपूर्ण शुभारंभ

किया गया। यह फूड फेस्ट स्वादिष्ट व्यंजनों, प्रसिद्ध ब्रांडों और ग्राहकों के लिए कई आकर्षक गतिविधियों के साथ शुरू हुआ। उद्घाटन समारोह में मास्टरशेफ इंडिया फाइनलिस्ट सचिन कथवानी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने लुलु नेतृत्व टीम के साथ मिलकर समारोह का शुभारंभ किया और इस फूड फेस्ट की सराहना की। इस अवसर पर श्री नोमान अजीज खान - क्षेत्रीय निदेशक यूपी, दिल्ली, तेलंगाना ने लुलु फूड फिएस्टा के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा लुलु फूड फिएस्टा 2025 हमारे ग्राहकों के लिए एक ऐसा मंच है जहाँ वे स्वाद, परंपरा और नए अनुभवों का आनंद ले सकते हैं। इस फेस्ट में हमने बच्चों और बड़ों दोनों के लिए कुकिंग प्रतियोगिताएँ रखी हैं ताकि हर आयु वर्ग को मंच मिले और सब अपनी प्रतिभा दिखा सकें। लुलु का हमेशा प्रयास रहता है कि वे केवल खरीदारी का स्थान न होकर, परिवारों के लिए जुड़ाव और आनंद का केंद्र भी बने। यह फूड फिएस्टा उसी दिशा में एक और कदम है, जो लखनऊ के लोगों को एक बेहतरीन और यादगार अनुभव देगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुनील शर्मा- महाप्रबंधक लुलु हाइपरमार्केट लखनऊ ने कहा रूष्लुलु फूड फिएस्टा 2025 हमारे ग्राहकों के लिए एक खास और यादगार अनुभव है। इस फेस्ट में देश के प्रमुख खाद्य ब्रांड्स की भागीदारी से ग्राहकों को एक ही स्थान पर कई तरह के स्वाद और नए उत्पादों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा।

इस आयोजन को इस तरह तैयार किया गया है कि परिवार के हर सदस्य के लिए कुछ न कुछ आकर्षक हो-चाहे वह बच्चों की गतिविधियाँ हों, कुकिंग प्रतियोगिताएँ हों या विशेष ऑफर। हमारा उद्देश्य है कि ग्राहक यहां आएँ, अच्छा समय बिताएँ और लुलु के साथ जुड़ा एक सुंदर अनुभव लेकर जाएँ।लुलु हाइपरमार्केट लखनऊ 12 दिसंबर से 21 दिसंबर तक आयोजित इस फूड फिएस्टा में सभी लखनऊवासियों से अपने परिवार और मित्रों के साथ शामिल होकर इसका लाभ उठाने का आग्रह करता है।

फॉर्च्यूनर ने कोर्ट मुंशी को टक्कर मारी-50 फीट दूर गिरा,मौके पर मौत

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सड़क किनारे चाय पी रहे कोर्ट मुंशी को तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर ने टक्कर मार दी, जिससे वह उछलकर 50 फीट दूर जा गिरे। इसके बाद ड्राइवर ने भागने के चक्कर में उनके पेट पर गाड़ी चढ़ा कर रौंद दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। लोगों ने दौड़ाकर गाड़ी को रुकवाया, लेकिन ड्राइवर मौका पाकर फरार हो गया। पुलिस ने फॉर्च्यूनर को कब्जे में लिया है, जिसपर बीजेपी का झंडा और विधानसभा का पास लगा है। घटना गोमती नगर के विभूति खंड इलाके में शनिवार सुबह हुई। मृतक की पहचान गंगापुरवा गांव के (सीतापुर) के रहने वाले सुनील कुमार (32) के रूप में हुई। बताया गया कि सुनील हाईकोर्ट में वकील के मुंशी थे। लखनऊ में सुषमा हॉस्पिटल के पास किराए का मकान लेकर रहते थे। सुनील शनिवार सुबह करीब 6 बजे चाय पीने सुषमा हॉस्पिटल के पास गए थे। सड़क किनारे खड़े होकर चाय पी रहे थे तभी फैजाबाद रोड की तरफ से आई तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सुनील 50 फीट दूर जाकर गिरे। गाड़ी भगाने के चक्कर में फॉर्च्यूनर चालक ने गाड़ी उनके पेट के ऊपर चढ़ा दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी का माहौल हो गया। वह मौजूद लोगों ने गाड़ी रुकवा ली, लेकिन चालक फरार हो गया। इंस्पेक्टर विभूतिखंड अमर सिंह का कहना है शव का पोस्टमॉर्टम करा दिया गया है। शिकायत मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। बड़े भाई गोपाल ने बताया परिवार में पत्नी सरिता और दो बच्चे श्रवण और समर्थ हैं। फॉर्च्यूनर अमेठी जिले की है।

माननीय सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत कैंपियरगंज में विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन

गोरखपुर। युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग, जनपद गोरखपुर द्वारा माननीय सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत माननीय विधायक खेल स्पर्धा, विधान सभा कैंपियरगंज का आयोजन आज दिनांक 13 दिसंबर 2025 को महंत अवैद्यनाथ जी महाराज स्टेडियम, जंगल कौड़ियां में भव्य रूप से किया गया। इस खेल स्पर्धा में पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों की सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग में एथलेटिक्स, कुश्ती, वॉलीबॉल, फुटबॉल एवं कबड्डी जैसी विभिन्न विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिता में 400 से अधिक खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मा० विधायक कैंपियरगंज श्री फतेह बहादुर सिंह द्वारा गुब्बारा उड़ाकर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने खेलों को नशामुक्ति का सशक्त माध्यम बताते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में युवा कल्याण विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने सरकार द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी तथा विकास खंड भरोहिया एवं कैंपियरगंज में ग्रामीण स्टेडियम निर्माण का आश्वासन भी दिया।

प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे-

एथलेटिक्स (पुरुष वर्ग):

सीनियर वर्ग 100, 200 एवं 400 मीटर दौड़ में उमेश साहनी, 1500 मीटर में पंकज चौरसिया प्रथम रहे।

जूनियर बालक वर्ग 100, 200 एवं 400 मीटर में विशाल सैनी, 1500 मीटर में मोहित प्रथम रहे।

सब-जूनियर बालक वर्ग 100 मीटर में आर्यन गौड़ एवं 800 मीटर में विष्णु प्रथम रहे।

एथलेटिक्स (महिला वर्ग):

सीनियर बालिका वर्ग 100, 200 एवं 400 मीटर में शिखा मौर्या, 800 मीटर में मैना प्रथम रहीं।

जूनियर बालिका वर्ग 100, 200 एवं 400 मीटर में सृष्टि मौर्य, 800 मीटर में सविता प्रथम रहीं।

सब-जूनियर बालिका वर्ग 100 मीटर में अंशिका यादव एवं 800 मीटर में वंदना प्रथम रहीं।

वॉलीबॉल:

सीनियर बालक वर्ग में सुरस, जूनियर वर्ग में मुबारकपुर तथा सब-जूनियर वर्ग में लक्ष्मीपुर की टीम विजेता रही।

फुटबॉल:

सीनियर वर्ग में स्टार क्लब पीपीगंज तथा जूनियर वर्ग में बापू इंटर कॉलेज की टीम विजयी रही।

कबड्डी:

जूनियर एवं सीनियर बालिका वर्ग में गुरु गोरखनाथ विद्यापीठ, पीपीगंज की टीम विजेता बनी।

कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख जंगल कौड़िया श्री बृजेश यादव, ब्लॉक प्रमुख कैंपियरगंज श्री अश्विनी जयसवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष श्री लक्ष्मण विश्वकर्मा, श्री गोपाल सिंह, श्री

राजेश सिंह, उप जिलाधिकारी कैंपियरगंज श्री सिद्धार्थ पाठक, सेवा निवृत क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी श्री रणजीत शाही सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता का आयोजन जिला युवा कल्याण अधिकारी श्री अमित कुमार सिंह के मार्गदर्शन में सुश्री रूबी तिवारी (क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी, जंगल कौड़ियां) के नेतृत्व में किया गया। विभाग की ओर से देवेश कुमार, विनोद चौधरी, दिलीप कुमार, पीआरडी जवान एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का मंच संचालन सेवा निवृत क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी श्री तबारक अली द्वारा किया गया।

जुए के अड्डे पर पुलिस की छापेमारी

दो जुआरी रंगेहाथ गिरफ्तार

नकदी, ताश के पत्ते व दो बाइक बरामद, चार आरोपी फरार

गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज राजा के निर्देश पर अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत थाना करंडा पुलिस ने जुए के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो जुआरियों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक नगर के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी नगर के मार्गदर्शन में की गई। प्रभारी निरीक्षक थाना करंडा राजनरायन के नेतृत्व में उप निरीक्षक जनार्दन प्रसाद पासवान मय पुलिस टीम ने करंडा क्षेत्र के बसंतपट्टी के पश्चिम दिशा स्थित एक बगीचे के पास दबिश दी, जहां हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेला जा रहा था। पुलिस को देखते ही कुछ लोग मौके से फरार हो गए, जबकि दो अभियुक्तों को रंगेहाथ पकड़ लिया गया। पुलिस ने मौके से ताश के 52 पत्ते, जुए की फड़ से 4200 रुपये, जामा तलाशी से 4500 रुपये, एक बोरी तथा दो मोटरसाइकिल-अपाचे (UP61 AH 7305) एवं स्प्लेंडर प्लस (UP61 AS 6211) बरामद की है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान मलेन्द्र कुमार पुत्र सुनील कुमार एवं दरोगा यादव पुत्र सीताराम यादव, दोनों निवासी ग्राम डंडापुर, थाना नंदगंज के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि वे लोग पिछले कई दिनों से उक्त स्थान पर जुआ खेल रहे थे। पुलिस की घेराबंदी के दौरान गायत्री, अतुल सिंह, मलीकार सिंह एवं उमाकांत सिंह मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश में पुलिस द्वारा दबिश दी जा रही है। गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध मु0अ0सं0-233/25, धारा 13 जुआ अधिनियम, थाना करंडा में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस सख्त कार्रवाई से क्षेत्र में जुआरियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अपराध के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

SIR को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम से बचें: सभापति पवन कुमार त्रिपाठी

गोरखपुर। नगर निगम गोरखपुर के सभापति पवन कुमार त्रिपाठी ने SIR (नागरिकता से संबंधित सूची) को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम और अफवाहों पर जनता से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुछ दलाल और असामाजिक तत्व जानबूझकर यह गलत प्रचार कर रहे हैं कि SIR न बनवाने पर लोगों को देश से बाहर कर दिया जाएगा, जबकि ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। सभापति ने कहा कि SIR का आधार वर्ष 2003 है, जिसे सरकार द्वारा मानक माना गया है। जिन लोगों के परिवार का नाम वर्ष 2003 की सूची में दर्ज है, वे उसी का हवाला देकर अपना SIR फॉर्म भर सकते हैं। इसमें किसी भी प्रकार के भय या भ्रम की कोई बात नहीं है। उन्होंने बताया कि जो लोग वास्तव में स्थानीय निवासी हैं, उनके परिवार के किसी न किसी सदस्य

का नाम वर्ष 2003 की सूची में अवश्य मिलेगा। वहीं, जो बाहरी लोग बाद में आकर यहां बसे हैं, उनके लिए यह मानक लागू होता है। लेकिन इसका यह अर्थ कतई नहीं है कि किसी को जबरन देश से बाहर किया जाएगा। पवन कुमार त्रिपाठी ने यह भी स्पष्ट किया कि फ़ॉर्म भरते समय वर्तमान में कोई अतिरिक्त दस्तावेज नहीं मांगा जा रहा है। केवल वर्ष 2003 की सूची में दर्ज नाम, भाग संख्या और पारिवारिक संदर्भ का ही उल्लेख किया जा रहा है। जन्म प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र या अन्य दस्तावेजों को लेकर जो बातें फैलाई जा रही हैं, वे पूरी तरह भ्रामक हैं। उन्होंने कहा कि कुछ दलाल जन्म प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेज बनवाने के नाम पर लोगों से पैसे वसूलने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि इसकी कोई आवश्यकता नहीं है। सभापति ने महानगर की जनता से अपील की कि किसी भी दलाल, अफवाह या भ्रामक प्रचार में न आएं और केवल अधिकृत प्रक्रिया के माध्यम से ही SIR आवेदन करें। अंत में उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया सभी समुदायों के लिए समान है और इसमें किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जा रहा। जो लोग यहां के मूल निवासी हैं, उनके अधिकार पूरी तरह सुरक्षित हैं।

संस्थापक-सप्ताह समारोह 2025 में सरस्वती शिशु मंदिर के विद्यार्थियों को मिला सम्मान

गोरखपुर। श्री गोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक-सप्ताह समारोह 2025 का मुख्य महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह दिग्विजय नाथ एल.टी. प्रशिक्षण महाविद्यालय, गोरखपुर में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश महंत योगी आदित्यनाथ जी महाराज के सान्निध्य में भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) श्री गुरमीत सिंह, माननीय राज्यपाल, उत्तराखण्ड ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

इसी क्रम में सरस्वती शिशु मंदिर (10+2), पक्कीबाग के कक्षा नवम के छात्र भैया रजत द्विवेदी को अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता तथा कक्षा षष्ठ की छात्रा बहन वैदेही मिश्रा को हिंदी सुलेख प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मान प्राप्त हुआ। सम्मान प्राप्त करने वाले दोनों भैया-बहनों को विद्यालय के संरक्षक आचार्य विशाल श्रीवास्तव एवं आचार्या बहन दिव्या त्रिपाठी को विद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। इसके उपरांत विद्यालय परिसर में आयोजित विशेष कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य डॉ. राजेश सिंह द्वारा विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी आचार्य-आचार्या एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे और विद्यार्थियों की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

पीडीए के जवाब में भाजपा के तरकश का नया सियासी तीर, इसलिए ज्यादा मजबूत चेहरा हैं केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी

संवाददाता

गोरखपुर। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी को लेकर अचानक सियासी गलियारे में हलचल तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा इन्हें प्रदेश में पार्टी की बड़ी जिम्मेदारी देने की तैयारी में है। उनके चेहरे पर दांव लगाने का मकसद आगामी विधानसभा चुनाव में सपा के पीडीए के दांव को कमजोर करने की कोशिश भी मानी जा रही है। पंकज कुर्मी (ओबीसी) समुदाय से आते हैं, जो यूपी में एक बड़ा और महत्वपूर्ण वोट बैंक है। यूं तो पार्टी में पहले से ही कई बड़े ओबीसी चेहरे हैं पर पंकज पर दांव नई ऊर्जा और सोच ला सकती है। पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शीर्ष नेतृत्व में इनकी अच्छी पकड़ और सबके लिए उपलब्ध होने वाले नेता की छवि के कारण इस पद के लिए दावेदार अन्य नेताओं की तुलना में उन्हें ज्यादा मजबूत चेहरा माना जा रहा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव 14 दिसंबर को होना है। करीब एक साल बाद ही यूपी में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। ऐसे में पार्टी प्रदेश अध्यक्ष के चेहरे से राजनीतिक मैसेज भी देना चाहती है। लोकसभा चुनाव में यूपी में पार्टी के खराब प्रदर्शन के पीछे सपा के पीडीए का दांव सफल होना माना जाता है। ऐसे में अगले चुनाव में भाजपा पिछड़े वर्ग के मतदाताओं में फिर से अपनी पकड़ वापस पाना चाहती है। इसके लिए पंकज चौधरी नाम का सियासी तीर भी उनकी तरकश में है, जो पार्टी के मिशन-2027 में फायदेमंद हो सकता है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी का नाम चर्चा में आने से महराजगंज के खाटी भाजपा कार्यकताओं में खुशी है। पार्टी कार्यकताओं का मानना है कि पंकज चौधरी का ओहदा पार्टी में हमेशा ठीक रहा है।

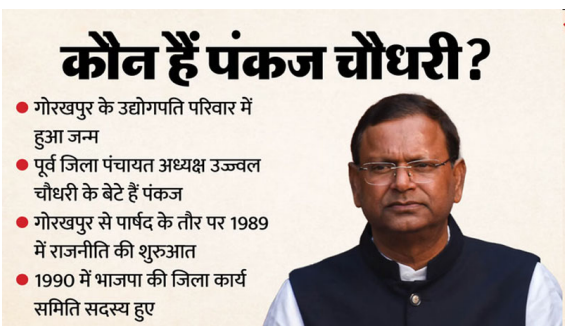

Exports defy trump tariffs, recordf fastest growth in 3 plus years

NEW DELHI: India's exports grew at their fastest pace in over three years, rising 19.4% to $38.1 billion in Nov on the back of a jump in shipments to the US and China. With imports falling 2% to $62.7 billion, the trade deficit narrowed to $24.6 billion, the lowest level since June.India's exports to the US are estimated to have increased 22.6% to $7 billion in Nov despite the impact of 50% additional tariffs, while the value of consignments going to China rose 90% to $2.2 billion. In fact, in November, China overtook the Netherlands as the third largest export destination, although the European country was marginally ahead during April-November.Screenshot 2025-12-16 012745."Despite the tariffs we have been able to hold our exports and imports are also growing (38% to $5.3 billion), which is a good thing for India-US trade," commerce secretary Rajesh Agrawal told reporters.Aditi Nayar, chief economist at ratings agency ICRA said that the rise in exports and fall in imports was due to supply normalisation after the holidays and decreased demand post the festive season.The strong export performance in Nov came on the back of a 12% decline in Oct, which was attributed to US tariffs. "Nov export growth has more than made up for Oct," commerce and industry minister Piyush Goyal said ahead of the data release.

Travel & Food Habits That Define IndiaAgrawal said that the numbers indicated that in several sectors, exporters were seeking to diversify the markets. The Nov resurgence was led by strong performance across sectors which included engineering goods, electronics, gems and jewellery, pharma, chemicals, oil products and most segments of the textiles sector.

Five of the 30 major sectors – rice, oil seeds, plastics, jute products and carpets – registered a fall during the month.Screenshot 2025-12-16 012925.On the imports front, gold declined 59% in Nov to $4 billion, compared with nearly $10 billion a year ago, while crude petroleum (11.3% decline to $14 billion) and vegetable oil (20% drop to $1.5 billion) also fell. The major sectors registering an increase included electronics (16% to $8.8 billion), silver (125% to $1.1 billion) and pearls and precious and semi-precious stones (90% to $1.8 billion)."…diversification of export markets, along with the continued resilience of several key sectors, has played a crucial role in supporting export growth. With sustained policy support, enhanced logistics efficiency, and access to competitive export financing, India's exports are well-positioned to maintain this positive trajectory in the coming months," Fieo chief S C Ralhan said in a statement. During Nov, services exports are estimated to have increased 11.9% to $35.9 billion, while imports rose 4% to $18 billion.

draft rolls for 5 states, union territories to come out today

New Delhi: The draft electoral rolls for five states/ Union territories - West Bengal, Rajasthan, Goa, Puducherry and Lakshadweep - undergoing phase 2 of special intensive revision (SIR) are set to be published Tuesday, with sources indicating likely deletions in the range of 7.5-8.5% for all except Lakshadweep, where they may be barely 2.5%.

While West Bengal appears set to have around 58 lakh electors removed on account of being dead, permanently shifted, untraceable or registered at multiple places, sources said the number of notices likely to be issued to electors found to have submitted their enumeration form with discrepancies, including not specifying their link to the electoral roll from the last SIR, "may be far, far more than 58 lakh". These discrepancies, by now assessed by booth level officers, are on account of the change in SIR rule that did away with the need for the elector to submit documentation at the enumeration stage, to establish their eligibility for enrolment.

Depending on how many of those issued notices can satisfy electoral registration officers of their eligibility with requisite documentation proving their citizenship, the EC will reach the ultimate number of electors to be excluded from the final roll. Sources said the number of dead, shifted, duplicate and untraceable electors identified for deletion in Goa, with a total electorate of 11.8 lakh, may be around a lakh (around 8.5%). In Rajasthan again, 7.5-8% of the total 5.46 crore electors may be removed. Lakshadweep will see the lowest percentage of electors (2.5% of its 57,813 electorate) being struck off the roll. Officials said the large number of entries of dead, duplicate and shifted voters could be due to a 2010 amendment in Representation of the People Act, which disallowed any amendment or deletion of a roll entry without proper verification. Though the manner of this verification

Avoid Rumors Being Spread Regarding SIR: Pawan Kumar Tripathi

Gorakhpur."Parsshad of Gorakhpur Municipal Corporation, Pawan Kumar Tripathi, has appealed to the public to remain alert against misinformation and rumors being spread regarding SIR (Citizenship-Related List). He clarified that certain brokers and anti-social elements are deliberately spreading false propaganda that people will be expelled from the country if they do not get their SIR prepared, which is completely false and misleading.

The Parshad stated that the basis of SIR is the year 2003, which has been recognized as the standard year by the government. Individuals whose family members' names are recorded in the 2003 list can fill out the SIR form by referring to the same. There is no reason for fear or confusion in this process.

He further explained that those who are genuine local residents will certainly find the name of at least one family member in the 2003 list. For people who settled in the area later, this standard applies accordingly. However, this does not mean that anyone will be forcibly expelled from the country.

Pawan Kumar Tripathi also clarified that no additional documents are currently being demanded while filling the SIR form. Only the name recorded in the 2003 list, the part number, and family reference are required. Rumors regarding the need for birth certificates, caste certificates, or other documents are completely baseless.

He warned that some brokers are attempting to extort money from people in the name of preparing birth certificates and other documents, which is entirely unnecessary. The Parshad urged the citizens of the metropolitan area not to fall prey to any brokers, rumors, or misleading propaganda and to apply for SIR only through authorized procedures.

In conclusion, he emphasized that the SIR process is uniform for all communities, with no discrimination of any kind. The rights of genuine local residents are fully protected.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।